नवोदय विद्यालय समिति

प्री-बोर्ड परीक्षा - 2023-24

कक्षा - दसवीं

विषय - हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ)

(विषय कोड-002)

Set-1

निर्धारित समय - 3 घंटे **पूर्णांक - 80**

सामान्य निर्देश :-

1. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब'। 'खंड-अ' में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और 'खंड-ब' में वस्तुनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड -'अ' में कुल 10 वस्तुपरक/बहुविकल्पी प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड -'ब' में कुल 7 वर्णनात्मक प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ' (बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। (1x5=5)

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी अधिक अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं, जिसके बाद उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-

सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा। आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी, अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढ़ब हथियारों से लेकर चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(1) 'नैनो तकनीक' तकनीकी जटिलताओं को बिलकुल समाप्त कर देगी, क्योंकि- कथन पढ़कर नीचे दिए सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

1. इससे प्रकृति को कोई हानि नहीं होती है।
2. इसकी शक्तियाँ असीमित हैं।
3. इससे तकनीकी कुशलता में अत्यंत वृद्धि होगी।
4. यह स्वनिर्मित फौज पूरी करती है।

विकल्प

(क) कथन 1 सही है।
(ख) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।
(ग) कथन 2 व 3 सही हैं।
(घ) कथन 4 सही है।

(2) नैनो तकनीक के विरोधियों द्वारा इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी अधिक अभिशप्त क्यों माना गया?

(क) यह तकनीक संपूर्ण मानव जाति के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है
(ख) यह तकनीक विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगी
(ग) यह तकनीक कौशल को बढ़ाने के बजाय घटा देगी
(घ) यह तकनीक नए युग में चार चाँद लगा देगी

(3) नैनो तकनीक के वजूद में आने का क्या परिणाम होगा?

(क) बेरोजगारी को बढ़ावा मिलेगा

(ख) देश में समृद्धि आएगी

(ग) धरती का नामो-निशान मिट जाएगा

(घ) सुविधाओं में वृद्धि होगी

(4) गद्यांश के अनुसार, 'नैनो-तकनीक' क्या है?

(क) छोटी-छोटी मशीनों का प्रयोग करके बड़ी चीज बनाना

(ख) परमाणु और अणुओं को मूलभूत इकाई मानकर इच्छानुसार उत्पाद तैयार करना

(ग) परमाणु और अणुओं में भेद न करते हुए इनका प्रयोग उत्पाद बनाने में करना

(घ) तकनीक के क्षेत्र में मनुष्य को सर्वाधिक महत्त्व प्रदान करना

(5) कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए -

कथन(A) नैनो तकनीक मनुष्य की सोच की सीमा बढ़ा देगी।

कारण(R) यह मनुष्य को केवल विनाश की ओर ले जाएगी।

(क) कथन(A) गलत है किन्तु कारण(R) सही है।

(ख) कथन(A) सही है कारण(R) गलत है।

(ग) कथन(A) सही है और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन(A) सही है और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। (1x5=5)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,

उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
क्षुधार्थ रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर शिवि ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्यों डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(1) इस कविता के केन्द्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए-

कथन

(1) अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु कार्य करने चाहिए।

(2) मनुष्य को हमेशा परोपकार के कार्य करते रहना चाहिए।

(3) जरूरतमंदों के लिए सहानुभूति का भाव नहीं रखना चाहिए।

(4) परोपकारी मनुष्य का यश हमेशा बना रहता है।

विकल्प

(क) कथन 2 सही है।

(ख) कथन 2 और 4 सही हैं।

(ग) कथन 1, 3 व 4 सही हैं।

(घ) कथन 1, 2, 3 व 4 सही हैं।

(2) 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे' का अर्थ है कि-

(क) वास्तविक मनुष्य वही है, जो अपने लिए जीता है

(ख) वास्तविक मनुष्य वही है, जो दूसरों के लिए जीता है

(ग) वास्तविक मनुष्य वही है, जो केवल अपने स्वार्थ सिद्ध करता है

(घ) वास्तविक मनुष्य वही है, जो भौतिक वस्तुओं की चाह रखता है

(3) काव्यांश के आधार पर बताइए कि कैसे व्यक्तियों की कथा स्वयं सरस्वती बखानती हैं?

(क) आत्म-स्वाभिमानी व्यक्तियों की

(ख) उदार व्यक्तियों की

(ग) अहंकारी व्यक्तियों की

(घ) पशु-प्रवृत्ति के व्यक्तियों की

(4) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों के उदाहरण से क्या संदेश दिया है?

(क) अहंकार और स्वार्थ मनुष्य के लिए आवश्यक हैं

(ख) वीरता और शक्ति का कोई पर्याय नहीं होता

(ग) त्याग और बलिदान सर्वश्रेष्ठ होता है

(घ) मनुष्य को यश की कामना करनी चाहिए

(5) कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन(A) महापुरुषों को आज भी याद किया जाता है।

कारण(R) महापुरुषों ने अपना पूरा जीवन दूसरों के लिए त्याग दिया।

(क) कथन(A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

(ख) कथन(A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(ग) कथन(A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन(A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) 'घायल सैनिक ने उठकर शस्त्र उठा लिए।' इसका संयुक्त वाक्य होगा-

(क) घायल सैनिक उठा और उसने शस्त्र उठा लिए।

(ख) जैसे ही घायल सैनिक उठा उसने शस्त्र उठा लिए।

(ग) सैनिक घायल हुआ और शस्त्र उठा लिए।

(घ) घायल सैनिक ने उठते ही शस्त्र उठा लिए।

(2) सारणी-1 को सारणी-2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

सारणी-1		सारणी-2	
अ	उसने मेहनत की और वह सफल हुआ।	1	सरल वाक्य
ब	जो मेहनत करता है वह सफल होता है।	2	संयुक्त वाक्य
स	मेहनती लोग सफल होते हैं।	3	मिश्र वाक्य

(क) अ-3, ब-1, स-2 (ख) अ-2, ब-1, स-3

(ग) अ-2, ब-3, स-1 (घ) अ-3, ब-2, स-1

(3) 'मैं चाय-पानी या नाश्ता देने जाती और पिता जी मुझे भी वहीं बैठने को कहते।' इसका मिश्र वाक्य होगा-

(क) मेरे द्वारा चाय-पानी या नाश्ता देने जाते ही पिता जी मुझे भी वहीं बैठने को कहते।

(ख) मेरे द्वारा चाय-पानी या नाश्ता देने पर पिता जी मुझे भी वहीं बैठने को कहते।

(ग) पिता जी मुझे वहीं बैठने को कहते और मैं चाय-पानी नाश्ता दे देती थी।

(घ) जब मैं चाय-पानी या नाश्ता देने जाती तब पिता जी मुझे भी वहीं बैठने को कहते।

(4) सारणी-1 को सारणी-2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

सारणी-1		सारणी-2	
अ	जो साहसी होते है, वे मुश्किलों से कभी नहीं घबराते।	1	संज्ञा उपवाक्य
ब	बालगोबिन भगत जानते थे कि अब बुढ़ापा आ गया है।	2	विशेषण उपवाक्य
स	जैसा मैंने कहा था, वैसा ही करना।	3	क्रिया विशेषण उपवाक्य

(क) अ-3, ब-1, स-2 (ख) अ-2, ब-1, स-3

(ग) अ-2, ब-3, स-1 (घ) अ-3, ब-2, स-1

(5) 'वह लड़का, जो पेड़ के पास खड़ा है, मेरा मित्र है।' इसका सरल वाक्य होगा-

(क) पेड़ के पास खड़ा हुआ लड़का मेरा मित्र है।

(ख) जो पेड़ के पास खड़ा है मेरा मित्र है।

(ग) वे सभी जो पेड़ के पास खड़े हैं मेरे मित्र है।

(घ) वह लड़का मेरा मित्र है और वह पेड़ के पास खड़ा है।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) सारणी-1 को सारणी-2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

सारणी-1		सारणी-2	
अ	बालगोबिन भगत से रोया नहीं जा सका।	1	कर्तृवाच्य
ब	उद्धव द्वारा ज्ञान मार्ग का उपदेश दिया गया।	2	कर्मवाच्य
स	कैप्टन मूर्ति पर चश्मा लगाता है।	3	भाववाच्य

(क) अ-3, ब-1, स-2
(ख) अ-2, ब-1, स-3
(ग) अ-2, ब-3, स-1
(घ) अ-3, ब-2, स-1

(2) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। (कर्म वाच्य में बदलिए)

(क) बालगोबिन भगत द्वारा कबीर को 'साहब' माना जाता था।
(ख) बालगोबिन भगत द्वारा कबीर को 'साहब' माना जाता है।
(ग) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते हैं।
(घ) बालगोबिन भगत से कबीर को 'साहब' माना जाता है।

(3) इनमें से कर्तृवाच्य का उदाहरण है-

(क) रमेश ने अपना कमरा साफ किया।
(ख) रमेश से अपना कमरा साफ किया जा सकता है।
(ग) रमेश द्वारा अपना कमरा साफ किया गया।
(घ) रमेश से कमरा साफ नहीं होता।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में भाव वाच्य का उदाहरण है-

(1) माता जी सिलाई कर सकती है।
(2) मुझसे रोया नहीं जाता।
(3) गोपियों द्वारा उद्धव को ताना मारा जाता है।
(4) गर्मियों में छत पर सोया जाता है।

(क) 1 और 2 सही है।
(ख) 2 और 3 सही है।
(ग) 1 और 4 सही है।
(घ) 2 और 4 सही है।

(5) 'नवाब साहब ने लेखक से संगति के लिए कोई विशेष उत्साह नहीं दिखाया।' वाच्य पहचानिए-

(क) भाववाच्य
(ख) कर्तृवाच्य
(ग) कर्मवाच्य
(घ) विचार वाच्य

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) '**<u>तुलसीदास</u>** ने रामचरित मानस की रचना की।' रेखांकित पद का परिचय है?

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(2) कछुआ **<u>धीरे-धीरे</u>** चलता है। रेखांकित पद का परिचय है?

(क) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(ख) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(ग) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता
(घ) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'चलता है' क्रिया की विशेषता

(3) **<u>'रंग-बिरंगे</u>** फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया। रेखांकित पद का परिचय है?

(क) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, फूल' विशेष्य का विशेषण
(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

(4) 'प्रधानाचार्य ने **<u>आपको</u>** बुलाया है।' रेखांकित पद का परिचय है?

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(5) हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों-ही-आँखों में **<u>हँसा</u>**। रेखांकित पद का परिचय है?

(क) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल

(ख) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

(ग) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, भविष्य काल

(घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्य काल

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) नर की अरु नल-नीर की गति एकै करि जोई।
जेतौ नीचौ ह्वै चलै, तेतौ ऊँचौ होई।। में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) रूपक (घ) अतिशयोक्ति

(2) उन्नत हिमालय के धवल, वह सुरसरि यों टूटती,
मानों पयोधर से धरा के, दुग्ध धारा छूटती । में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) मानवीकरण (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) श्लेष (घ) अनुप्रास

(3) हनुमान की पूंछ में लग न पाई आग,
लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग। में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) उपमा (घ) अतिशयोक्ति

(4) है बिखेर देती वसुंधरा मोती, सबके सोने पर।
रवि बटोर लेता है उनको सदा सवेरा होने पर। में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) अनुप्रास (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) रूपक

(5) निम्नलिखित में उत्प्रेक्षा अलंकार है-

(1) उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।

(2) उस वक्त मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा,
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा।

(3) चारु- चन्द्र की चंचल किरणें, खेल रही थी जल-थल में।

(4) सोहत ओढ़े पीतपट, स्याम सलोने गात
मनो नीलमनि सैल पर, आतप पर्यो प्रभात।

(क) 1 सही है।
(ख) 2 और 4 दोनों सही हैं।
(ग) 2 व 3 सही हैं।
(घ) 4 सही है।

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही है, किन्तु बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते-गाते कभी-कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किन्तु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था- वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है। बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसको। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती- मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए! लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा-यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

(1) बालगोबिन भगत द्वारा किया गया कौन-सा कार्य सामाजिक परंपरा के विरुद्ध था?

(क) अपनी पतोहू से बेटे की चिता को आग दिलाना

(ख) पतोहू को मायके भेजना

(ग) बेटे का श्राद्ध करना

(घ) बेटे की मृत्यु पर शोक मनाना

(2) बालगोबिन भगत की बात सुनकर लेखक को कभी-कभी क्या लगता था?

(क) बालगोबिन भगत कितने बुद्धिमान है

(ख) बालगोबिन भगत कितने ज्ञानी हैं

(ग) कहीं बालगोबिन भगत पागल तो नहीं हो गए

(घ) बालगोबिन भगत कितने अज्ञानी हैं

(3) बालगोबिन भगत की पतोहू अपने मायके क्यों नहीं जाना चाहती थी?

(क) बालगोबिन भगत की बुढ़ापे में सेवा करने के कारण

(ख) दूसरी शादी नहीं करने के कारण

(ग) सामाजिक प्रताड़ना के कारण

(घ) गरीबी के कारण

(4) बालगोबिन भगत द्वारा लिया गया कौन-सा निर्णय अटल था?

(क) बेटे का श्राद्ध करना

(ख) पतोहू को घर में न रखने का

(ग) प्रात:काल प्रभात गाने का

(घ) अपनी पतोहू को उसके मायके भेजने का

(5) 'यह थी उनकी आखिरी दलील' प्रस्तुत गद्यांश में बालगोबिन भगत की आखिरी दलील है-

(क) प्रात:काल प्रभात गाने की

(ख) पतोहू के न जाने पर स्वयं के घर छोड़ने की

(ग) पुत्र का श्राद्ध न करने की

(घ) पतोहू के भाई को बुलाने की

प्रश्न 8. 'क्षितिज' के गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x2=2)

(1) 'नेताजी का चश्मा' पाठ का उद्देश्य क्या है?

(क) देशभक्ति की भावना का संदेश देना

(ख) देश के निर्माण व विकास में प्रत्येक नागरिक को सहयोग देना चाहिए

(ग) देश की समृद्धि के लिए प्रयास करने वाला प्रत्येक व्यक्ति देशभक्त है

(घ) उपर्युक्त सभी

(2) काशी को संस्कृति की पाठशाला इसलिए कहा गया है क्योंकि-

(क) यहाँ के लोग अपने बच्चों को धार्मिक संस्कार देते हैं ।

(ख) यहीं से सांस्कृतिक संरक्षण अभियान का शुभारम्भ हुआ था।

(ग) यहाँ गली-गली में पाठशालाएँ हैं, जिनमें संस्कार सिखाए जाते हैं।

(घ) यह विद्वानों, कला-मर्मज्ञों, कलाकारों, स्नेह व सद्भावना की पावन स्थली है।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर ।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

(1) 'सुनहु देव सब धनुष समाना' पंक्ति में 'देव' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(क) श्रीराम के लिए (ख) परशुराम जी के लिए

(ग) लक्ष्मण जी के लिए (घ) विश्वामित्र के लिए

(2) लक्ष्मण ने भगवान शिव का धनुष टूटने का क्या कारण बताया?

(क) श्रीराम के छूने मात्र से यह टूट गया

(ख) सामान्य धनुष था, इसलिए टूट गया

(ग) लकड़ी का धनुष था, इसलिए टूट गया

(घ) धनुष पहले से ही टूटा हुआ था

(3) परशुराम ने क्रोधित होकर लक्ष्मण को अपने बारे में क्या बताया?

(क) बाल ब्रह्मचारी हूँ

(ख) अत्यंत क्रोधी स्वभाव का हूँ

(ग) विश्व में क्षत्रिय कुल के शत्रु के रूप में विख्यात हूँ

(घ) ये सभी

(4) परशुराम ने लक्ष्मण को क्या कहकर उसका वध न करने की बात कही?

(क) मैं तुझे बालक समझकर नहीं मार रहा हूँ

(ख) मैं तुझे राजा समझकर नहीं मार रहा हूँ

(ग) मैं तुझे क्षत्रिय समझकर नहीं मार रहा हूँ

(घ) मैं तुझे विश्वामित्र का शिष्य समझकर नहीं मार रहा हूँ

(5) परशुराम ने लक्ष्मण को क्या चेतावनी दी?

(क) माता-पिता को चिंता में मत डाल

(ख) बालकों के समान मत बनो

(ग) वाद-विवाद करो

(घ) विनम्र व्यवहार रखो

प्रश्न 10. पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x2=2)

(1) गोपियों को उद्धव का शुष्क संदेश पसंद न आने का मुख्य कारण था-

(क) उद्धव के कठोर शब्द एवं अति कटु व्यवहार

(ख) उद्धव में वाक्-पटुता की कमी एवं हृदयहीनता

(ग) गोपियों का प्रेम मार्ग के स्थान पर ज्ञान मार्ग को पसंद करना

(घ) गोपियों का ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना

(2) फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्व, जो कवि ने माने हैं, वे हैं-

(क) दो नदियों का जल, मिट्टी का गुण धर्म, हवा व सूरज का सहयोग।

(ख) अनेक नदियों का जल, करोड़ों मनुष्यों का परिश्रम, हजार खेतों के गुण धर्म।

(ग) अनेक नदियों का जल, करोड़ों मनुष्यों का परिश्रम, मिट्टी का गुण-धर्म, सूर्य की रोशनी और हवा

(घ) अनेक नदियों का जल, कुछ मनुष्य का परिश्रम, हजार खेतो का गुण-धर्म, सूरज और हवा।

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूंघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना, उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) मन्नू भंडारी की माँ त्याग और धैर्य की पराकाष्ठा थीं, फिर भी लेखिका के लिए आदर्श नहीं बन सकीं। 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं को बताओ जो आप अपने जीवन मे अपनाना चाहते है?

(घ) सच्चे अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जाता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर तर्क सहित लिखिए।

प्रश्न 12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) 'आत्मकथ्य' कविता के माध्यम से 'प्रसाद' जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, वह उनकी ईमानदारी और साहस का प्रमाण है, स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि ने नारी को गरिमामय स्थान प्रदान किया है? इससे आप कितना सहमत हैं, स्पष्ट कीजिए।

(ग) फागुन में ऐसा क्या होता है, जो शेष ऋतुओं से भिन्न होता है? 'अट नहीं रही हैं' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'संगतकार' कविता में चित्रित संगतकार को क्या एक आदर्श मित्र का समानार्थी कहा जा सकता है? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (4x2=8)

(क) 'माता का अँचल' पाठ में भोलाराम एक स्थान पर, दूसरे बच्चों की कुसंगति में एक वृद्ध व्यक्ति को चिढ़ाता है व मज़ाक उड़ाता है। इस अनुपयुक्त व्यवहार के लिए उसे क्या दंड भोगना पड़ता है? आप इस घटना से क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं?

(ख) आज की पीढ़ी कुदरत की खूबसूरती को बिगाड़ रही है, उसे रोकने व समझाने के लिए आप क्या करेंगे? 'साना-साना हाय जोड़ि' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(ग) एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (6x1=6)

(क) अध्ययन : एक उपयोगी आदत

संकेत बिंदु -

* भूमिका
* मानव जीवन में ज्ञान का महत्त्व
* ज्ञान प्राप्ति में अध्ययन की भूमिका
* अध्ययन की प्रवृत्ति से लाभ

(ख) मेरी माटी मेरा देश

संकेत बिंदु -

* भूमिका
* आयोजित कार्यक्रम
* कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि
* भारत भूमि के प्रति प्रेम
* अभियान का महत्त्व

(ग) भाग्य और पुरुषार्थ

संकेत बिंदु -

* भूमिका
* आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है
* भाग्यवादी व्यक्ति उदासीन रहता है
* परिश्रमी व्यक्ति अपने भाग्य को बदल लेता है
* निष्कर्ष

प्रश्न 15. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **(5x1=5)**

आप स्वाति/श्रेयस हैं। समाचार पत्रों में विज्ञापनों की भरमार को कम करने और समसामयिक विषयों पर लेखन की आवश्यकता को दर्शाते हुए दैनिक जागरण समाचार-पत्र के संपादक को अनुरोध करते हुए एक पत्र लिखिए।

अथवा

आप काव्या/कवि हैं। आपके पिताजी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर आपके मित्र सुमति/संभव ने आपकी बहुत सहायता की तथा आपको स्थिति का सामना करने का हौसला दिया, उसे धन्यवाद देते हुए एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. आपका नाम सुनीता/सुरेश है। आप राजेन्द्र नगर के निवासी हैं। दैनिक समाचार पत्र से पता चला है कि स्थानीय राजकीय माध्यमिक विद्यालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता (बी.लिब/पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक) को धारण करते हैं। उक्त रिक्त पद हेतु राजकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यालय प्रमुख को आवेदन भेजने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

अथवा

आप रवि/ रवीना हैं। आपका इंटरनेट एक सप्ताह से बहुत धीमी गति से चल रहा है। इससे संबंधित शिकायत करने हेतु भारत संचार निगम लिमिटेड को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। **(5x1=5)**

प्रश्न 17. 'नीर' नामक सीलबंद पानी बेचने वाली कंपनी के प्रचार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन लिखिए। **(4x1=4)**

अथवा

आप सौरभ/सुरभि हैं। हिन्दी दिवस पर अपने शिक्षक/शिक्षिका को बधाई देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

***